पकड़ा घपला : 30 फीसद से अधिक परीक्षा में अनुपस्थित

दाखिले के फर्जीवाड़े में फंसे 29 इंजीनियरिंग कॉलेज

- समाज कल्याण विभाग की छात्रवृत्ति को हड़पने के लिए कॉलेजों ने किया खेल

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) से संबद्ध इंजीनियरिंग कॉलेजों ने बीटेक कोर्स में दाखिले में भी खेल किया है। अभी एमबीए कोर्स में भारी पैमाने पर दाखिले में हेराफेरी करने के आरोप में करीब सवा सौ मैनेजमेंट कॉलेजों को नोटिस जारी की गई। अब बीटेक कोर्स में गड़बड़ी करने वाले करीब 29 इंजीनियरिंग कॉलेज एकेटीयू के रडार पर हैं। इन सभी को कारण बताओ नोटिस जारी कर पूछताछ करने की तैयारी पूरी हो गई है। शनिवार को इन्हें नोटिस जारी कर दी जाएगी।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के निर्देश पर इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों में दाखिले और सेमेस्टर परीक्षा में उपस्थित छात्रों के ब्यौरे का मिलान कर विस्तृत रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। एमबीए कोर्स में फर्जीवाड़ा सामने आने के बाद जब बीटेक कोर्स में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों की संख्या और प्रथम सेमेस्टर की परीक्षा में अनुपस्थिति का ब्योरा मिलाया गया तो करीब 29 इंजीनियरिंग कॉलेजों की गर्दन फंस गई। इन कॉलेजों में 30 प्रतिशत व उससे अधिक अनुपस्थिति है। फिलहाल अब इन सभी इंजीनियरिंग कॉलेजों को नोटिस जारी कर पूछताछ की जाएगी। एकेटीयू प्रशासन का कहना है कि यह पूरा खेल समाज कल्याण विभाग द्वारा मिलने वाली शुल्क प्रतिपूर्ति व छात्रवृत्ति को हड़पने के लिए ही की गई होगी। फिलहाल नोटिस का जवाब मिलने के बाद इन पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

एकेटीयू करवाएगा कॉलेजों का भौतिक सत्यापन

एकेटीयू दाखिले व उपस्थिति की संख्या में भारी अंतर होने के कारण अब इंजीनियरिंग व मैनेजमेंट कॉलेजों का टीम गठित कर भौतिक सत्यापन किया जाएगा। एमबीए दाखिले में तो कई कॉलेजों में 100 प्रतिशत से लेकर 90 प्रतिशत तक विद्यार्थी अनुपस्थित हैं। ऐसे में कॉलेजों का भौतिक सत्यापन कर रिपोर्ट तैयार होगी और उसी के आधार पर कार्रवाई होगी।

शिक्षकों ने की वेतन की मांग

अनुदानित जूनियर हाईस्कूलों से संबद्ध प्राइमरी शिक्षकों प्राइमरी स्कूलों के शिक्षकों ने मुख्यमंत्री अखिलेश यादव से वेतन जारी करवाने की मांग की है।

अखिल भारतीय शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष अरविंद कुमार दुबे का कहना है सर्वोच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद अप्रशिक्षित शिक्षक व शिक्षिकाएं नियुक्त होने का बहाना बनाकर इसे टाला जा रहा है। उनका कहना है कि जिस तरह माध्यमिक स्कूलों से संबद्ध प्राइमरी स्कूलों में तैनात शिक्षकों को छूट दी गई है उसी तरह अनुदानित जूनियर हाईस्कूलों से संबंधित शिक्षक जो पांच वर्ष से कार्यरत हैं उन्हें प्रशिक्षण से छूट देकर वेतन जारी किया जाए।

आर्किटेक्चर कॉलेज में शुरू होंगे सात नए कोर्स

जागरण संवाददाता, लखनऊ : गवर्नमेंट आर्किटेक्चर कॉलेज में पोस्ट ग्रेजुएशन (पीजी) स्तर के सात नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। यहीं नहीं यहां पर बिल्डिंग, लैब, लाइब्रेरी आदि की कायाकल्प के लिए डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) ने 30 करोड़ रुपये की आर्थिक सहायता दी है। आगे तीन साल में इस कॉलेज की पूरी सूरत बदल जाएगी।

एकेटीयू से संबद्ध गवर्नमेंट आर्किटेक्चर कॉलेज के प्राचार्य प्रो. जगवीर सिंह ने बताया कि हमें विश्वविद्यालय की ओर से 30 करोड़ रुपये की आर्थिक मदद दी गई है। इससे यूनिवर्सिटी में नई एकेडमिक बिल्डिंग बनेगी। लैब का अपग्रेडेशन होगा, नए सॉफ्टवेयर खरीदे जाएंगे और डिजिटल लाइब्रेरी बनाई जाएगी। गर्ल्स हॉस्टल व ब्वॉयज हॉस्टल का एक्सटेंशन किया जाएगा। तीन साल में यह काम पूरा किया जाएगा। वहीं नई एकेडमिक बिल्डिंग में पीजी के कोर्स चलाए जाएंगे। अभी यहां पर मॉस्टर ऑफ आर्किटेक्चर कोर्स ही चलाया जा रहा है आगे मॉस्टर ऑफ सस्टेनेबल आर्किटेक्चर, मॉस्टर ऑफ कंजरवेशन आर्किटेक्चर, मॉस्टर ऑफ अर्बन डिजाइन आर्किटेक्चर, मॉस्टर ऑफ लैंड स्कैप डिजाइन व मॉस्टर ऑफ आर्किटेक्चर इन हाउसिंग, मॉस्टर ऑफ अर्बन एंड रीजनल प्लॉनिंग व मॉस्टर ऑफ इंफ्रास्ट्रक्चर प्लॉनिंग के नए कोर्स शुरू किए जाएंगे। फिलहाल आगे आने वाले समय में एकेटीयू से संबद्ध गवर्नमेंट आर्किटेक्चर कॉलेज काफी हाईटेक हो जाएगा।

क्रिसमस मनाया : केंद्रीय विद्यालय एएमसी-द्वितीय पाली में गुरुवार को क्रिसमस मनाया गया। विद्यालय के शिक्षकों ने बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। छात्र रेहान ने क्रिसमस के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर सोनिया मारग्रेट के निर्देशन में इंसानियत की जीत नामक लघु नाटिका का मंचन किया गया। विद्यालय के प्रचार्य डा. केके पांडेय ने सभी को क्रिसमस एवं नववर्ष की शुभकामनाएं दी।

कॉपियों के 'मूल्यांकन' पर एकेटीयू की निगाह

जागरण संवाददाता, लखनऊ : डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) अब सेमेस्टर परीक्षा की कापियों की रेंडम चेकिंग करवाएगा। विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट की टीम किसी भी बंडल से जंची हुई कापियां निकालेंगे और उसे दोबारा जांचेंगे। अगर उसमें कोई गड़बड़ी निकली तो कापी जांचने वाले परीक्षक से पूछताछ की जाएगी। परीक्षा की कापियों के मूल्यांकन में पारदर्शी व्यवस्था बनाने के लिए एकेटीयू ने यह पहल की है। इससे विद्यार्थियों को काफी राहत मिलेगी। मूल्यांकन भी बेहतर ढंग से होगा।

एकेटीयू के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने परीक्षा की कापियों की रेंडम चेकिंग करने के निर्देश दिए हैं। करीब पंद्रह प्रतिशत कापियां दोबारा जांची जाएंगी। विभिन्न विषयों के एक्सपर्ट की टीम जांची हुई उत्तर पुस्तिकाओं की दोबारा रेंडम चेकिंग करेगी। एकेटीयू का मकसद यह है कि इसके माध्यम से वह देखेगा कि आखिर मूल्यांकन सही हो रहा है या नहीं। अगर गलती होगी तो उसे दुरूस्त किया जाएगा। यही नहीं शिक्षक से पूछताछ भी की जाएगी कि आखिर गलती क्यों हो गई। एकेटीयू का मकसद यह है कि परीक्षा की कापियों का मूल्यांकन बेहतर व पारदर्शी ढंग से हो ताकि विद्यार्थी सवाल न उठा सकें। यह पहला ऐसा मौका है कि एकेटीयू कापियों की रैंडम चेकिंग करवाने जा रहा है। वहीं एकेटीयू कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने सभी शिक्षकों को पत्र लिखकर अनुरोध किया है कि वह विद्यार्थियों का हित देखते हुए ढंग से मूल्यांकन करें।

विद्यार्थियों को राहत

- सेमेस्टर परीक्षा की पंद्रह प्रतिशत कापियों की होगी रेंडम चेकिंग, एक्सपर्ट जांचेंगे दोबारा कापियां
- कुलपति ने सभी शिक्षकों से छात्रहित में ढंग से मूल्यांकन करने की दी सलाह